

गिर

15-4-25

पता की वर की उर्वरि/वकील उर्वरि
 अन्तिम उ० प्र उल्लुत किन्ना गण्ड कि
 यथा भावनी लर पर शहीनाया
 ले उका है। उकरा को भागे पनाय
 भी पाये है उकरा को शही लर पर
 मोह उल पर शीप करवाना पाये है
 वरि। वकील वरी को लुना गण्ड

